

प्राचीन भारतीय इतिहास के अंकनार्थ सिक्कों का महत्त्व

आलोक कुमार सिन्हा

प्राचीन इतिहास के अंकनार्थ साक्ष्य के रूप में सिक्कों का विशिष्ट स्थान है। यद्यपि सिक्कों का निर्माण अपने समय की दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति, क्रय-विक्रय तथा लेन-देन को दृष्टि में रखते हुए हुआ तथापि कालान्तर में ये इतिहास के अनेक अज्ञात एवं अल्पज्ञात पक्षों के उद्घाटन में सहायक सिद्ध हुई हैं। इतिहास एवं पुरातत्व प्रेमियों के लिए सिक्कों के इतिहास की जानकारी बहुत महत्त्वपूर्ण है।

सिक्कों में अपने समय का सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक तथा आर्थिक इतिहास छिपा रहता है। प्राचीन भारत का चाहे राजनैतिक इतिहास हो चाहे सामाजिक, चाहे सांस्कृतिक इतिहास हो चाहे आर्थिक, चाहे कालानुक्रम का निर्धारण ही क्यों न हो या चाहे पुरातात्विक स्तरों का सम्यक अध्ययन, इन सबों में सिक्कों ने अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका सर्वत्र दर्ज की है। कभी-कभी तो जहाँ कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं होते वहाँ इतिहास के उन पक्षों को आलोकित करने का काम सिक्का को ही करना पड़ता है।